

लोक सहायक सेना

*११४. श्री विभूति मिश्र : क्या प्रति-रक्षा मंत्रो यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लोक सहायक सेना द्वारा विभिन्न राज्यों में १९५७ में अब तक कितने व्यक्ति फिन-फिन स्थानों पर प्रशिक्षित किये गये,

(ख) जनसाधारण पर इस प्रशिक्षण का क्या प्रभाव पड़ा और जिन व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया उनकी योग्यता क्या थी; और

(ग) सरकार द्वारा इस पर कितना धन व्यय किया गया और क्या सरकार का इसे किमी निश्चित योजना के अर्धेन जारी रखने का विचार है ?

प्रतिरक्षा उद्यमंत्रो (सरदार मन्जीठिया)

(क) एक विवरण मन्त्री के पटल पर रख दिया गया है। [बै.सभ्ये परिशिष्ट १, अनुसूच्य संख्या २७]

(ख) लोक सहायक सेना में ट्रेनिंग पाये हुये व्यक्तियों में अनुशासन और आत्म-विश्वास की भावनाये और राष्ट्र सेवा में दिलचस्पी पैदा हो जाती है। इसका साधारण जनता पर जिन में उन का वास्ता पड़ता है, कुछ असर जरूर होता हो चाहिये।

१८ में ४० साल तक के सभी भारत के सन्दरुस्त मर्द (उन लोगों को छोड़ कर जिन्होंने अनुशासन में कुछ ट्रेनिंग पाई है जैसे कि भूतपूर्व सैनिक और भूतपूर्व एन० सी० मी० के छात्र) लोक सहायक सेना में भर्ती होने के अधिकारी है।

(ग) १९५५-५६ और १९५६-५७ वर्षों में जो खर्च हुआ वह क्रमशः लगभग ७८ और ८० लाख रुपया है। योजना १-५-१९५५ को चालू की गई थी और फिलहाल सरकार का इसे १९६० तक चालू रखने का विचार है।

श्री विभूति मिश्र : लोक सहायक सेना में जो सरकार की धीरे से ट्रेनिंग दी जाता है तथा उसकी जो भवधि है, उस भवधि को बढ़ाने का क्या सरकार विचार कर रही है ताकि जिन लोगों को ट्रेनिंग दी जाती है उनको धीरे भण्डों तरह से ट्रेनिंग दी जा सके ?

सरदार मन्जीठिया : इस सवाल पर अभी विचार हो रहा है। अगर अभी तक जितनी ट्रेनिंग की भवधि है उसी पर काम चालू रहेगा।

श्री विभूति मिश्र : सरकार जिन लोगों को ट्रेनिंग दे कर छोड़ देती है उनको दो तीन साल के बाद अभ्यास के तौर पर फिर ट्रेनिंग दी जाये, क्या इसका सरकार ने कोई इन्तजाम किया है ?

सरदार मन्जीठिया : अभी तक जिन लोगों को ट्रेनिंग देनी है उनकी तादाद ही बहुत ज्यादा है। अगर लोगों को दुबारा ट्रेनिंग देना शुरू किया गया तो यह काम और भी मुश्किल हो जायेगा।

श्री अजय सिंह : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछले दो तीन वर्षों में कितने लोगों को ट्रेनिंग दी गई है ?

सरदार मन्जीठिया : आज तक करीब १८५,००० मर्द इसमें ट्रेनिंग पा चुके हैं।

श्री विभूति मिश्र : सरकार ने आज तक लगभग दो लाख मर्दों को ट्रेनिंग दी है। ये लोग ठीक से अपना कार्य कर सकें, क्या इस और भी सरकार ने कोई ध्यान दिया है ? नये लोगों को आप ट्रेनिंग देते जाते हैं और जिन को आप दे चुके हैं वे भूलते जाते हैं।

सरदार मन्जीठिया : सवाल तो यही किया जाता है कि जो ट्रेनिंग इन कैम्पस में दी जाती है वह उनको दूसरे कामों में सहायता देगी और ऐसा हमें दिखाई भी है

यह है कि वह ट्रेनिंग उनके लिये सहायक सिद्ध हो रही है।

Shri Goray: Will there be any refresher courses for these people?

Sardar Majithia: I have already replied that there are no refresher courses.

Indian Military Mission to Russia

*115. **Shrimati Ila Palchoudhuri:** Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an Indian Military Mission headed by the Chief of the Army Staff is visiting Russia,

(b) if so, the object of the visit, and

(c) the duration of its stay in that country?

The Deputy Minister of Defence (Sardar Majithia): (a) to (c) At the invitation of the Soviet Defence Minister, Marshal Zhukov, the Chief of the Army Staff, accompanied by a number of officers of the Defence Services has proceeded to Moscow to witness the Soviet Navy Day Celebrations. The party will be the personal guests of Marshal Zhukov and will be in the Soviet Union for about ten days.

Shrimati Ila Palchoudhuri: Now that they have gone to see the air display, may I know whether we intend importing any of the Soviet pattern of ships or aeroplanes to India?

Sardar Majithia: That does not arise out of this. They have only gone at the invitation of Marshal Zhukov the Defence Minister, to witness the Naval Day celebrations.

Shri Gajendra Prasad Sinha: May I know how many other countries had already invited our Chief of Army Staff, and how many invitations have been accepted?

Sardar Majithia: I require notice:

Shri Jaipal Singh: The original invitation was for a much earlier date;

then it was suddenly changed; meteorological considerations seem to have affected it. May we know now why the date was changed?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): The original invitation was given when Marshal Zhukov was here, quite apart from any function there, and it was accepted, subject, of course, to convenient dates. Subsequently, the invitation was fixed for the Air Force parade day. That date was changed; the Air Force display there was itself postponed, for various reasons, including, I believe, expected bad weather; and it did not take place, so far as I know, yet. Then, this other invitation came, and it was accepted.

Fertilizer Plant at Rourkela

*116. **Shri Bahadur Singh:** Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to refer to the reply given to Starred Question No 608 on the 29th May, 1957 and state the salient features of the Project Report on the Fertilizer Plant proposed to be set up at Rourkela by Messrs Bochako of West Germany?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): The salient features of the Project Report on the Fertilizer Plant are as follows—

- (i) The maximum capacity of the Plant is estimated at 1,20,000 tons of nitrogen per year (5,80,000 tons of calcium ammonium nitrate). The capacity will, however, be limited by the quantity of Coke Oven gas available after meeting the requirements of the Steel Works.
- (ii) The Consultants have recommended the manufacture of calcium ammonium nitrate because of the availability of raw materials at cheap costs. In their opinion, the production of urea on a large scale instead of calcium ammonium nitrate is handicapped at Rourkela, because there is not enough carbon dioxide available.